जीवन प्रत्याशा की वृद्धि संबंधी जटिलताएँ

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

"इम्प्लॉसबिलिटी ऑफ रेडिकल लाइफ एक्सटेंशन इन ह्यूमंस इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी ("Implausibility of Radical Life Extension in Humans in the Twenty-First Century)" शीर्षक से किये गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि चिकित्सा और तकनीकी प्रगति के कारण **जीवन प्रत्याशा में होने वाली लगातार वृद्धि में कमी आ रही है।**

अध्ययन के बारे में:

- शोधकर्त्ताओं ने **वर्ष 1990 से वर्ष 2019 तक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा के आँकड़ों की जाँच की** , जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फ्राँस, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन और स्विट्ज़रलैंड जैसे उच्चतम जीवन प्रत्याशा वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मुख्य निष्कर्ष:

- अध्ययन से पता चलता है कि सबसे लंबे समय तक रहने वाले क्षेत्रों में जीवन प्रत्याशा में **वर्ष 1990 और वर्ष 2019 के दौरान केवल 6.5 वर्ष** की वृद्धि हुई है।
  - **कैंसर और हृदयाघात जैसी व्यापक घातक बीमारियों** के लिये केवल उपचार में सुधार करने के बजाय, हमें ऐसी नवीन नई दवाओं की आवश्यकता है जो **उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा** कर सकें।
- वर्तमान अनुमानों से पता चलता है कि उन क्षेत्रों में **लड़कियों की 100 वर्ष की आयु तक पहुँचने की संभावना 5.3% है, तथा लड़कों की 1.8% है।**
  - हालाँकि, भले ही सामान्य बीमारियों का उन्मूलन कर दिया जाए, लेकिन **उम्र बढ़ने के कारण अंगों में कमज़ोरी के कारण** जीवन प्रत्याशा की वृद्धि सीमित हो जाती है।
- **जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के लिये** कई दवाओं का परीक्षण किया जा रहा है, जिनमें **मेटफॉर्मिन भी शामिल है, जो एक कम लागत वाली मधुमेह की दवा है**, जो नर बंदरों में बुढ़ापे की प्रक्रिया को धीमा करने में कारगर साबित हुई है।

और पढ़ें: मानव विकास रिपोर्ट 2023-24

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/difficulties-in-increasing-life-expectancy